

म्हर्यभाषि कार मह टीडाम, मीगोक्षीमः ए५ पर्ेट प्रभरताय ४५० सम्ब लिएमए <u>मज</u>टी द्राम प्पलीम गोपाउथागार म्हरीगास <u>ळ</u>ाश्य <u>स्य</u>्वटी द्रमाणी ८% ०७४ मध्य पार्गातम ४०) उद्धमाणी टायाञ्चम



टी 🇝 र लेस गील र्माटाज्यभीया गथाज्यस ८<u>९७४८</u> ७८८८ अस.८४ <u>गार्क्ष मध्यार्थभात</u> सिंदराणा स्ट्रोज्ज दर `*ऊक्षी गा*थेषा *रुिएएए ने* स ष्टोपप्रच ऋत्रिपा दुमसा



ज्रुष्टे होता *हिंदे* म्हर्यामास प्रोस्फर्गाटास **ब्राट्स (य्रस्)** ार्थ *६ ७४ ज़*सेप टीटे गोर्ज़े एमरुक्ष ९ प्रस्मातार्ण र्भेम गिजाराणि हरेंद्र मध्य मर्ज्याण भगगारभ्यस



ÆſĊſĊŹ<u>ŦŦ</u>ſŒŶĔ प्राच्याची महिस्र णा स्ट्रोस मार्ट स्ट्रीम 💵 स्टिग्रास्ट्रिट टेंक्जिस ट्राण्येज प्रध्याज दर्जाज *न*ेनम् नूज्रणीणलूणरम इंट्रेग<u>ाएर</u>ेक्टए स्ट्रिसिम मरुपाए भगगरभ्रञ्ज

325% प्राप्त हे होते से उत्तर है जिस्तर है जिस्तर है अपन्तर प्राप्त के उत्तर है जिस्तर है जित्तर है जिस्तर है जित्त है जिस्तर है जिस्तर

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282 Postal No. MNP-409

ग्रेषात महिम हमञ्चल

मडेंडे गिणाणीटा एक एक एक एक एक जिल्ला भाषा प्रत्यास , उन्हर्भस

मञ्जाल प्राप्तिक विकास प्राप्तिक विकास प्राप्तिक विकास प्राप्तिक विकास प्राप्तिक विकास प्राप्तिक प्राप्तिक प्राप्तिक विकास प्राप्तिक प्र मारिक्षा उन्हर्स हेला है जिल्ला हे सामन है जिल्ला है जिल

भव्यार प्रस्थात महम दक्त्रम पालमण पालदक्त्रम एष्टदिख

उर्जिया भारतम है स्वार्थ में मार्थ महीम भारतम । <u>भन्य</u> मंत्र मार्थिम

, रिदर्व राजार राम्या जन्म विसन्ति एक प्राप्ति राम्या राम्

भ्रत्यात विवास हिन्द्र प्रस्था हिन्द्र प्रस्था विवास हिन्द्र कि विवास विवास हिन्द्र प्रस्था है ।

हणाउम भारत्रवं रिप्रम मध्म रमणिचया ॥ गिरहयामर्क रहराज्यस्थि

मस्नाल्सा प्राप्ताकार

ट॰स्थर्प प्रस्थात प्रभ्यः मण्डाति द॰प्र**ाधारः य स्था**य प्रदिन्द

क्रालक्ष्म प्राचीत स्वार्थित होते हा अन्य प्राचीत स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वा

णणणे अहर के प्राचित के प्राचित के जिल्ला है जिल्ला के जिल्ला के

प्रकृति । <u>अस्य</u> प्रात्मात्री स<u>र्मन</u>ार्थमा प्राप्त<u>कार</u> भामप्तर प्रदर्भ

स्थान मार्च स्थान स्थान

गरिण्यल्य गाउँ विकास के जाती हैं जिल्ला के जाती हैं जाती है जाती हैं जाती है जाती हैं जाती है जा

എस्पार्गाण एकमिर्ग में

u भिर्ध र्यम जीलक ह्याँस लुजदर्ज जिम्लाचार्यप्रामीत हर्रम

मध्य रिस्ट्रिश शिल्य जन्म प्रका अब सहमन्द्रपाल , रिनेमद

॥ जियार्ष हार्ष हे अर्थ हे अध्यक्ष विभाग्न हो है ।

भूगारीयम र्र शिष्य अन्य प्रक्री) अर भरमण्डाम् रे स्थान

ट॰ टा प्रेम जा मार्च प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प <u>भित्र</u> है जिल्स गिषरणी सामा इस

 $^{\circ}$ മ്യിടയി \mathbf{L} \mathbf{L} \mathbf{L} വര്ടായ യാപ്രത്യ വര്ഷ് പ്രത്യ വര്ഷ് പ്രത്യ വര്ഷ് പ്രത്യ വര്ഷ് വര്യ വര്ഷ് വര്ഷ്

ॐ३ भडमाध्या ७७ मंद्रमद ग्रिस्टिंग्स १(೧७३० क्र.क.) प्राचीत ठदर्ज मुम° ठे ठ ठाण्या ऋसञ्जूत दुश्यास सामध्य त्याल म॰४८०१० भीमभूग ग्रद्ध भूगग्रद (८०, ८०, प्राच्या प्राच्या १८०, ८२) ए प्रज्ञास होत्र ए ए ळलाह्न द्रिया भागातान हुन MICHO POSCO DECEMBER ANOSCOPIE **स्ट्रिय सैटाग्गा स्वावहार्ग ऋ**वी ॥ भन्देष्ट्री भाष्रीटाष्ट

एए पार्ट ह्यारी सुराधित है है जाने गा एक वर्ष हिल्ल हैं अध्यक्त ा १५५० मध्य सम्बद्धाः २३ प्रहेष स्वरूप सम्बद्धाः жण्य होटी स्ट्रिस विज्ञ राज्य हो जिल्ल

ा भिर्दर्श रामायार अध्यक्त मामायार अभ्यत्र विद्यालय उदर्श रामाया हुन । यस एषा इया स्वायम एक उभाग नियाराज्ञ उठा समामस्य नियमराज्य ख्रम वाराय (यस जान मार्ग) अप्रकार प्रिकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प

ीणामठ र्शाप्तम रोडप्पडरिलाग्न रोगाल ३२ विस्त दर्बना गिरुवार्णकः श्रष्ठ लाह्यमा गिरमडमक गाडपाभाग्न रह्या छहुवार्क मर्मर विद्यालाग्न ीगालहरूपार्ट उर्प्र मर्रज हरीया रिक्स दर्जन ॥ ग्रिस्टार्माक भाषार्थित एवर म्यार्थन रञ्जर उमर्द्ध नर्जन नाम एवर राम्य भाराज्य ीमा कि 00म विद्यार्थिक एवं विद्यार हिन्स होते भी विद्या होता हो है । ारित एक महाराज्य सहेरा होता सुराधिक होता सहेरा होता है होता है जिस होता है जिस होता है जिस होता है जो होता होता පරීප වසාවා අවශ්ය හොවසදා පාරාවාස පර්ගාය ජාණිදුර පරීපි සහජීයී වරාවා වස්ශ්ය රජුසය විශාස්වාගාගේන ගාලාසාවා (ෆහ) පැරුමුල් ව්ශාෂාවස ीम रूग्न दर्ग ी० °८ भिक्तमात्पार्ट ४ए० पाठम बक्तिमीड अरितिस्थत भिम्न रूग्न दर्ग १० °८ क्रमात्पार्ट मममण में शिर्भां अरितिस्थ

र ला के इस मध्य अध्याप कर के प्रकृत के उन्हें उन्हे и भाभवर्ष उठा यह से अध्यया है कार्य प्रत्येत हैं है जिल्ला का है है है जा स्थाप का है है है जा से साम है है है भर्षाभन्न भाषणीयणेयञ्च न्नमभन्न भागारणाज्ञात्र राज्यतीम प्रश्लीम जन्मार्थन अण णमण नीव्य भाषात्र प्रणा न्नसभन्न विद्यार , विद्यंत ගාපාණ ණෂා නෑ හා පාස්ත්ය ව්යාද්ය ක්ෂණය මා මා සාස්ත්ය වසුමාර්ය වසු වා දූ මා දූ මා පාස්ත් ද සා වෙන් මා මා මා මා ම ॥ भिदर्श १५४८ एवर्ड स.स. १४सम् ४५५५ वर्षणीस ४५ सण्युस विद्यापेस ४६३ १५५ १६६२/२०

ග්රාප්ත්වේ නබ වර්ගැන් අත්රා ण्याः मभदर्गपार्क्षामणु रिणाः ह्रमः द्रमः अर्घाभदर्भः व्या १४

र्यदर्क छोटान्न किसमा हुमोटादर्भमा

म्द्रायम ७४०४ म्हरदिहम अ०० स्टब्स्ट्रेड ४० ४६ विषयित्रभ्रताचित **अत्रण**िक मधेक भाग्न

(प्राचेष्ठ ह्या १९४०): स्टामान समक्षेत्र इस्राज्या १९४०) <u>१७७</u>४ <u>स्</u>तर्राह्म, महीप्रसुध भुक्<u>र</u> क्षा अधिर विश्व सान्त्रम् सान्त्रम् साम्या अधिर क्षा अधिर के साम्या अधिर के साम्या अधिर के साम्या अधिर के साम्य ार्फिय और जार्र प्राप्त मराम एभारीएम *उ*च्च भजनारण र्टिया भारज्ञत माह उद्धन्य दे द्रारा हे स्वार्थ माहित है से प्रति क्रिपादर्म विप्रभन्नभभभावित हम विश्व अराज्य इरा ६८ ६८ विवास ज्यान्त्रभीम जिल्लाका हिन्दू भन्न कार्याम जिल्ला सभी मार्थिक मार्थिक सभी मार्थिक मार्थिक सभी सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी सभी मार्थिक सभी सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी सभी मार्थिक सभी मार्यिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्थिक सभी मार्यिक सभी म द्राधर प्राप्तरेंट प्राधिय शलाय समर्शिक्षां प्राप्तरा<u>रहम</u> ॥ °<u>भन्</u>याण⁶रत्यार्गात

ीणरदिष्प ए॰०० ए.०० वर्षे भारतिष्य १९७० वर्षे जरण मधम ॥ भन्दे चार्क्ष जार जनप्रधा हा अभ्य സംഗു നലാന ജ്. അം റാറ്റ്, നാപ്രക്ഷ മുത്ത സുദ്യവാ र्मिं कारिए एक्स स्वर्धिक स्वर

॥ विराणक्षेत्रम राष्ट्रा तमा हर्षे भारति स्वर्ण भारति । ॥ ौन्द्राचार्यस्यार्गार

रेखा रहर्रपार्क्य उद[्]क ोगीलक <u>रस</u>भ<u>न्य</u>लभारीजम,ोददर्ज जर्भमार्कि रिशारा महराज्यम ॥ विशास महराया महराया है स्वाप्त हो सहराजन प्राप्त हो सहराजन प्राप्त हो सहराजन प्राप्त हो सहराजन ल्हेराय आरभंत्रम लक्स्येंगाराज्यम हजन्दे हर्द एवं प्राप्तम हमहीम रिप्रा , हेर्बर्ट प्राप्य महोउ<u>रक</u>ा । केर्च प्राप्य अध्याम हो । केर रेंड पार्य यह देस हम अध्यक्त स्था जानेब्रिक क्रम प्राप्त हम ॥ अन्तर्रह रह्मं मञ्जा विमय एष्ट मधाष्ट्रा ॥ अर<u>भन्</u>य अरापंज हिंचार्या विषय विषय विषय

गिलस ग्रीटाण अथिरिडिपा॰म २३ भवम॰रतार॰ , र्न्डमद

മ്പുവെട്ടെ എവഴായ മയുമോ र्ह्यामम गिर्धि <u>भिष</u>्टदाघा दाघाद ॥ १ह्रञ

र्मं प्रताम प्रताम प्रताम करोप्राम्स करा प्रताम क्रा प्रताम क्रम करोप सम्बाह्य के म रीम ॥ के रहर्रपाल्डर भारहमा ॥ शिर्द्धण भञ्जाराजमा जनराम

ीणाह्यापि ह्यर्धिर रोज्योगमार गम[्]मध्य भाग्ह इलन्हुहार् टिक प्राप्त है कि उन्ने विभाग के उन्ने विभाग कि उन्ने विभाग पारिक वर्षे विभाग कर्माधितय सरप्रभेद रप्रभागित सभ्याम सम्भाग अध्य भागाभाजा

अस उर्जे निक्र निक्रम प्राप्त कर कि स्व मरो<u>ऽरम</u> गरुव्हें ग्रंत पाविदम था। हापाद रें रुखा सभैद अलगण्याराय स्वयार्थि कारमध्य ॥ भारतिम्य असम्बद्धा भारहरूरामधेरहरू ग्रेस मरज मञ्जूरा जिप्पोटामडभ्गात रदर्वण

द्यात्रीम ध्याप्यम धाराप्रम

ठोठोल छंड भव्याप प्योभव्यलोल प्रालमण नर्देय विदेशियां राज्या अभीर भूगोगम स्ट्रिम पश्चिम भारहेंद्र म<u>र्भग्भाभात</u> र<u>्मभ्य</u>अष्ट हिस्सक १९७७ मिरा प्राप्ति हर्द के विभागति हर्द के विभागति हिस्स विभागति हर्द के विभागति हिस्स विभागति हिसस विभा दर्स र्जुणीर पर्शातिस्वरंत्र मण मधँद्र भागातातु पर्विर ज्याष्ट्र भरोभित रु९९७ न्नुन्य मध्य ॥ <u>भन</u>्यार्थ्यार्थात न्नर्र्श्व व्याप्टे मटीग्राक्षण अध्यादिक म्रेंसि मिस्सि विभागातीय में मर्टामाल मिस्ट हेन्स्टिन विवास किया है जिस्ता कार्योग स्थापिक भागका अन्याप सामाराजम ॥ प्रयंत्र प्राप्तात प्राप्ता प्राप्तात प्राप्ता प्राप्तात प्राप्ता प्राप्तात प्राप्तात प्राप्ता प्रापत प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता टार्मिट के जागाता है जिस्सा प्रमाल के जाने के जाने जा के जाने मिरियम प्रमा मार्थ हेनाअनाभा पाल्यान्य प्रमा स्थान स्थान क्रुम्हराञ्चा माह्या प्रजाप माह्या प्राप्त माह्या प्राप्त माह्या प्राप्त हें महत्त्र स्वापि ज्ञान ॥ जिस्साल हे र उपार्टिस विद्यापाट हिन्स एक्ट्रा एक्ट्र एक्ट्रा एक्ट्रा एक्ट्र एक्ट्रा एक्ट्रा एक्ट्रा एक्ट्रा

अयार्ष्य प्राप्त <u>भ्र</u>ाप्त

प्पीधदर्ड स्टा<u>साल</u> (१०७० ७७० र्यूण) २२ भरमध्याल, हर्वमद रह्मामः भारण्यांह्यं स्प्रान्द हमध्म भाषां प्रधाक्ष रोजमह मण्यात इतस्त्र स्वच्चाय स्वच्चाय भारतात्व राष्ट्र हुन त्यान्यात वास्त्या त्यान्य क्षेत्र भूत्रे ४०८ सः तान्या वास्त्या तान्य इब्रायक्षेत्र प्राचित्र भाषा धार्यस्य विमान्द्रप्राप्त करान्मत्तृत्वज्ञत न्यानिक्ट्याष्ट्र स्ट्रियानम् । त्र प्रदूर्य निम्न्यान्य मात्राच्या प्राचित्र का एक एक ॥ अ<u>भ्य</u>ामध्यू घट्ट मक्ष्य प्राच्य भाषा भाषा भाषा िणाणीलारा<u>माल</u> संस्तदंग्रा तिसाग्रा रा<u>माल</u> विष्णापार्विक रहें सर्त्रम र्प स्नाप्तार्थन्त स्म प्राणि<u>भव्य</u> ॥ त्रितंत्र प्याभुक्ष प्राणिभव्यक्ष जन्म हुन का उन्नरमा अध्यक्ष भी त्र दर्भ उत्रर मध्य में अहिंच अह हरू भार<u>ामल</u> \रा<u>मल</u> ोहरधदर्श भाग्रज्ञामां दंभी राज्य पार्धिक ॥ दर्स्य अमर्त्र प्रार्क्षः विषयो १००० <u>भव</u>्याम स्वार्क्ष प्राप्तम प्रमान उमध्म रहणील रुज्जेल ह्यांटार्वाट रोडमर हम टिक्स पर्वे ॥ त्रियार्ष्ट्रहार्ष्ट्र अध्यक्त सर्वर देस भाग्निस्तर्यात प्रामात्र सम

श्रस्मित त्युनाप्रस्थ

ट्याटीपिस-४० १(१०मा स्ट्राप प्रमाप अक्ष भ्रष्टमान्द्रणाल, त्रचेमद स्ट्रिट्टि के जा महेर र उर्दे हैं जिल्ला प्रभाव के जा है है है जिल्ला स्ट्रिस उरूर/बीर र्वार्य-विवास स्टानिस्ट्रिक्स हरू मण्डीपित-हरा राजाह माण तम्बरामारमामा जस्त्रात जन्म हारा जाता हार प्रतास्त्रमा अराज जन्म स्वर हिन्स पार्ट स्वाम कार उत्तर स्वाम है है है जो स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के ॥ जियान्या सम्मुख स्थाप्त एक्स्य प्रकार प्रकार स्थाप्त

जिलाहें मन्याप जारल प्रजन्म होणटी

न्ध्रित अध्या हात स्थाप स्थाप अक्ष सहस्त स्थाप $\overline{\mathbf{w}}$ with $\overline{\mathbf{w}}$ at the property of t उदर्श ग्रियार है रहे अध्या १८६० में जिस्साम महास ग्रामित मार्गा सा ण्यानिक प्राचित भारति के अध्याप का मार्चे प्राचित भारति के अध्याप के अध्याप के अध्याप मार्चे प्राचित के अध्याप भिम्मा राजा<u>र</u> , दर्ज प्रस्म राधिय ॥ भिर्द्ध प्रमम राधिय रात्राज्ञ प्रताला अ प्रह्णाला ॥ अ<u>जर</u>ात्र ४६ अभारत १६ म्ह री<u>उठ</u>ह भूम । रिजार्र अध्या १०३४ मार्चेष्य मन्<u>यय</u> ज्ञारिष्ठमणार्चेष्य उ सहश्रीय व्यक्त सीय गण्याचाना विकास व ट.ट.शाएडी वा अज्ञात वा अज्ञात वा अज्ञात वा अज्ञात हिस्स वा अज्ञात हिस्स वा अज्ञात वा अज व्या ५०० स्मी ५४ मा १०० त्यं ॥ १०० त्या मा १०० स्मि ११ विसारण ट्रायदर् प्रिणाण व स व भिर्प्यूय विस १९०३ ईमास र भ र भिर्प्य प्राप्त ॥ भिर्धर द्रम जहाग्र रुभि

विज्ञासाय शेराजारेल स्वयान्टिर पामिश्यासद

ਜ਼ਮਵੇਰ, ਨੁਆਲਾਜ਼ਬਰ ਵਲ (ਕ੍ਰਾਂਸ਼ ਕਰਜ਼ ਕਰਮਾਲਾਸ਼ਨ) ਭਰਮਤਾਰੀ ਸ਼ਾਲੀਸ਼ - เวราส ชาษะว่า งนสล์ เขางาง ขางสงห์ โชโมเน สงม์ทิส **ய**の出か रिमर ひむな<u>だष</u> रुल पा<u>भिक</u>्लोर रुल्जर्म, रिमर ॰भ॰म प्योमः जन्म जन्म विद्यार्थ भाव भाव भाव के जीव मह विद्यारा प्राप्त के जीव मह विद्यारा प्राप्त भाव महिल्ला महिला म <u>ष्ठट</u>ेश्वाञ्च अर्थभाण्टी नेकट <u>हट</u>न गीणाग्नी निर्माहरू ,दर्ज गुरुण र धिर ॥ भिदर्ज गुमण र धिर मापाभिक्र गर गर महार समरोह्न<u>ण्य</u>ः भन्तज्ञद रहे ह्नाभर्य<u>ताम</u> हुन्द पा<u>भिष</u>्याहा एन्ह्रजर् मामिश्वास सार्ये हिंदी है से स्वाप्त सार्ये हैं से स्वाप्त सार्ये महीम रिपार ाष्ट्राचा <u>भर</u>तीह र हेन्स्यार ॥ जिल्लाम स्थान स्थान हेन्स इ.स.च. १८०० अ.स.म अ.स.च. भागा विशास क्षात्र भागा विशास कर रदेश राधित सारियमंत्रीम भागित क्रिमाण भराजी जिस्तीम यदिव गिन्ध्रियदमी प्रियामार्क्षेड हुहुम्म ॥ <u>भन्य</u>ङोलीमा लुमह्रञ्रभ्भम ॥ <u>भन्य</u>र्ड ठैपार्ट्स गिपासारुधार्<u>ट्</u>ठ पानिर्ण्यक्षाद गिन्नरहरूपाभीमा रहभम्म म<u>ज</u>्ञ्चमा र्देग्रोणए सिंदरण प्रेटण<u>ऋत</u>रम् द्रंग्रोणमा कःहाल, ऋल्लऋ<u>रि</u> ५୯୯୮ प्राचित्रक प्रशास मान्यक प्रत्याचित प्राचित्र मान्यमा मान्यमा मान्यमा मान्यमा स्थापन <u>हट</u>म गीण्यापि भीटिहि हल्म देंग्रेणए ग्रेम्नेणए सिस्त्रण णोटार्टण रहेर देम किर<u>भित्र</u>र एउटा में समरम राज्य हो । ॥ भिर्ध रंस ग्रह्म मध्य मध्य प्रायदं ग्रियामध्य प्रम

ह्यानिक्षण अस्य के कि सम्बन्ध है कि सम्बन्ध है कि सम्बन्ध कर हिन्स हिन्स सम्बन्ध है हिन्स हिन्स है कि सम्बन्ध है हिन्स हिन्स सम्बन्ध है है कि सम्बन्ध है कि समित है क

യ്ക്കുട്ടു

र णिभाभारी एस ए.८०० करण हो जार के उसर है जन हों है अब स्वाधिक हो हो है जिस्सा कि स्वाधिक स्व 🚟 होश्वर्य मण एस्स् हैर का जाना तर्व हो नामाध्यामा ,ोबबर्व जातीसाइर्व ७५० विस्तार पार्मेष्ट्राह रामाध्यात रामाध्य ഉള്ളിയാലെ അവിച്ചു വിധാന്ത്ര വിധാന്ത്ര പ്രധാന പ്രധാന വിധാന്ത്ര പ്രധാന വിധാന്ത്ര വിധാന്ത भा (१) ३८३ टाक्योख्यक्त भाष्यता होत्र रखीय स्टब्या लातव<u>्या</u> स्टाट ।जानहाँ मा शिष्ट है एक मडाब्र रदर्शाण एमही एक ब्राह्म एक महान्य । जिल्लाम ॐॐ ॐॐडर्गामाखः शञ्चलः दंत्र ॥ १५५५ च ७४ ५५ ५५ ५५ ६५ ६५ ६५ ६५ ॥ १५५५ १५६ १५५५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ ६५ मल्ब्ब्याटा अभिमर्भात छर्दर भेर एक एक एक एक प्रसार अमर्राम एक हम्म ीटार वर्ष प्रमाणीं एक एक प्रमाणीं विपार मा

悪い変形に 型数のが रिषा गिराजन्मर्यास्टामा द्राप्त व्यक्ष दर्ष राध्य हमार्थें मार्थें प्राप्तीम ॥ वरणार्धिक रामस् दिष्यद गुरुपार्का गर्मिक ጀየኦኒ

HL Poll

Q: Shaktak che yaorabasu mayang changlakpa thinggani haiba JCILPS ki protest asi chumbra?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com da Visit toubiyu NGARANG GI RESULT

Yes No

Q: Manipur da meetop changlakpada passenger puba garigi driversinggi khut yaoe haiba yaningbra?

Yes | 95% | No | 05%

೯) ಇಇಡಿಲ್ಲ್

इसार्ग के लिखलाञ्चरण, व्याप व्यव , ब्रह्म हुई र रहभागा वाहर अन्न होत



ष्ट्रां राष्ट्रां व्यक्त ह्मार्णाम दम छी०म देखो ीपाठी०७इसि विष्याचेभ्रत्वीह्न विष्याञ्च ೱ൞൸ಽೱ र्स । रिवार्गा १५ वर्म उट्टे නෆෟවौरू पर्य प्रमहे एवं विद्याल क्ष्माण्या हो ब्रायाच्या प्रायाच्या एक्ष्मा कार्याच्या हर्दण भिमर्रीम छरभर भरणब्द हुणीलीमैंकिन्त पाँउन्किन मान्नीम भिम्नीस होष्ठणार्थे होणार्थ होणार

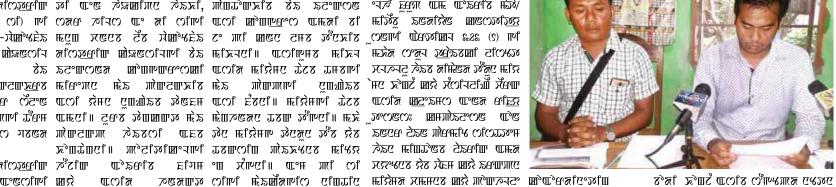
।। ब्रियाम्बर्धाः अग्रदर्

थडम॰म ी ते उम्र उ<u>भन</u>्यार्गत जुड़ डार्गक र सहस्रम मध्ये

दम हरू ७०७० वर्ष …ह्य दर्मेट द्रम

गणित हर पास्ट के जा जिल्ला कि द गा

॥ भिद्धर्क ग्रमण र भिः अत्र भिष्ठमान्द्राप्त ,र्रिनाद भूता अभूत स्वाप्त स्वापत स ळ्जाह द्रीण उद्धान विकास स्थान किल्लाहरू क्रिया के उन्हर्ग का अध्य प्राप्त के अध्य प्राप्त के अध्य प्राप्त के अध्य प कियारिअभीमण्ड रह्मसायार्वस्यार्थात विराधिक १३३ भराजार्य विराधिकार र्क जबक्र भाभाष्य होत्रसभर हस्त्रं ३३ भाभराज के मार्क्रम भा ३३ भारत प्रातिक्रम पर १४००० मार्क्रम भारतिक्रम प्रातिक्रम प्रातिक्रम भारतिक्रम भारतिक्रम भारतिक्रम त्रक्त विषय प्राप्त प्रताम (विषय विषय प्राप्त क्षात्र माग्रात पार्रम विद्या १२ विभाशका के उपार्थ अन्तरीहरू पार्व पर्वे प्रकृति पार्व पार्व प्रमुख है पाएजमाण र°क्रजर्म, उन्नर्यं के व व वर्षणापुरा क्रीव्य द भाग जर्व ब्रम . १३ मिलिया के उद्धार मिल्<u>य</u>द्धार पाधिक भवि लि मिल कि उद्धे रिमा रस्वे ४ भार ६ पाग्रा पार्येक मित्र अध्या भारत है है है ण गिरायार्थ (सुराध (सुराध कार्य (सुराध कार्य (सुराध कार्य (सुराध सुराध णाताम्बर्ध्य प्रज्ञसम्बर्ध्य प्राप्त



แโรนธ์ บสร์ นายด สมส์โส हर्द्धा है एक उर्ज वर्षण वर्षण पारिकार्या वर्ष होया कार्य पारिकार्य है । TO THE TO THE CONTRACT OF THE

कर एक एक हिए एक हैं। जिल्लाम मार्च प्रतिमास विकास मार्च के प्रतिमास विकास में हरूरीम ५४५म छत्रष्य पांशीठ रहुर हरूरीम ५४५म ७ (1c) प्रभणीठ विषयदर्शक एक एक एक एक एक प्रमणीठ विषयदर्शक विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय प्रभाव कि भष्यर्प ग्रदर्श गिष्ठस्रणञ्जरात्र पार्कित

॥ १७४<u>१ वर्ष</u> हे रिष्प प्रस्थात जैसर्लन्ह रिप्प रेपार्ट्य रुप्रज्ञात भञ्जारिक <u>भा</u>त्र भामर्रिज्य सम्म रस्त्रं रिष्ण गाउरम तर्र मधम , रिदर्क प्रशासका मध्यार्भदर्भ

हत्र स्विष्ट गाराण भाराण खर्टे - स्रांतम भाषाणात्र भ<u>िष</u>्ठ हर्म जिल्ला कि ए प्राप्त रिक्ष प्राप्त रिक्ष

ह्रेणऋक्षणदी॥

॥ <u>भिन्</u>ठेंद्र स्टर्न अणाणेटा दिश्द हिमर्री म

ा रिजारापार्ट छहुछन्नीटील रूक उपल्क्षीम जाहक हुँँ ३३ पाल्क्षमर जिल्हम १ । या हेर से से से से से से से अर

जरभदर्य जिसमध्य पाठय प्राधिय भग्रस्ट्र होलान् णीयत रहेर प्रहानदर्वाहरू भाजावर्ण विषयाजावीहरूत व्याजत ३(००क ५०क प्रकार प्रकार भाजावर्ण हिमार प्रकार प्रकार है ॥११४५५५ राज्यम प्रसाम प्रसाम विकास विकास विकास क्षित्र विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास उठ्यं पाष्ट्र पार्ट्स व्यर्धस्र भारपाशारपाधार्के एक उन्नाथम विषठभन्त उपार्धिक विभारितम रूपभन्ने स्वामाधारम् रहें समर भामक दर्काम दर्के भारतीरपाया रोक्टें रहें सन्त्र स्वेर भारपाभारपाया रे एक एर रहें ा स्टित्र माउम हर्द्ध सम्प्रका हुए माउम्म भ<u>ाजन</u>ात

ം നട്ടിന്ന മുന്ന ന്നെ പ്രവാധ ഉപ്പ रदर्व द्रधिय गारापाधार्के एक , त्रिदर्व स्रीयम एमा मार्पिया एक स्थाप पान विद्यापित एक स्थाप प्पर्लिट ॥ गिष्ठारीसप्पाटप्पर्ल भिगहत्वर्गमर्द्ध १००५ ४ अस् पापम भिग्नेशञ्जन्य । उर्हम॰९७ प्र ररभन्म गिणारिदर्द जहर्द्ध डिस्टर प्रजम गिणार हत्र रहे रूपछम प<u>्वेडर</u> रिम ॥ जिमक हत्र मापारिमक

...ह्य दर्सेट र्यम

መଂ \mathbf{m} ንም ነብ ይነት የነገበብ የነውን በነገር መንመረዝበር መንመረዝ መንመው እንደ

೩೩ भ्रहमण्डारण ,र्र्भाद റ്ലെ ഇറാളിച്ചാന നാലുക്കാ ॥ भ्रम्यार्थ हार्य हार्य हार्य महा ीम°ऋषि॰फ E_{o} Ω প্রেগবি തുപ്പുടുന്നു കാരു വാധുവുട്ട <u> ಇನ್ನಾಗುವಾದ</u> **ीणागाराण⁶न्द्रण**र्द ीम दर्क रूधरूपोध हूक मध्य क्रम उन्तम्भाषा मध्यत्रभूम अज्ञ ॥ जिर्माक्ष्र्य ज्ञान्त्रभ्यस

र्रं हरमध्ये வியசூர ०७७ गा दर्भ हभरिष्टीभ म्बर्क उध्रमण्या महिन्स्र महिन्स्र ीणाह्यीटाक्र माह्रमा ද්නණ් ග ज्रक्षम त्रिया प्राप्त प्राप्त हिम्म क्रिया प्रमुख **സിറാതാുഷുട്**പ്പാന



ारिश्षा ण्याध्ययक्त्रिम र्यम നംവ്യായ त्या त्या प्राप्त प्त प्राप्त प्राप्त

ह्रस्ता रिभद्ध क्र भारत

വംഭമപ്പെവുന്ന ॥ भिदर्क र्रम एपर्वम एएवर्क रिजाभदर्ग भारति ।

॥ बिराय क्षी है अर्थ सहस्य भी अप्रायक क्षी है । മാവിയുന്ന പ്രത്യ കുറു क्लीवर्ण एक रिप्तार वार ॥ द्वार प्राप्ति हें हाम प्रसारित प्राचनक तम्ब तम्ब स्था स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन चिष्णीणीम बीस स्वीचरिष्ण भारत प्रसाध समिष्र रिष्ण पार्थिस

भण्जा एकम्बार्यान्य कत्र ॥ प्रमानयक्षा प्रकारम प्रकारमान्य x when x_0 and x_0 and x_0 and x_0 and x_0 and x_0 मिःहिषाःक मार्गात्र हा हिन्द्र हा होता होता सम<u>्</u> टेक्र इस कार्य क्रिया कि इस कि णीम रूटार अंसर श्रामर्थण यह एस किन्य विकार के किम्प ीण रि प्राचीटार्न्य गायार्घ रथम भार्माप्तम प्राटाम रिष्टेंस्पाञ्चन्द्र हरभवर्ग हर्गा हमि । जार प्राप्त हमि । जार प्राप्त हमि । **७००० मा १०० म्या में प्राप्त क्राम्य क्राम्य क्राम्य** राधित क्षेत्र प्राचित्र । विश्वभित्र । विश्वभित्र प्राचित्र । жисты сыругын шенг күшүү жангы жангы жангы жангын жангын жангы жангы жангы жангы жангы жангы жангы жангы жангы किरमीण ७५३ ०७%मध्वर्भा हुरिष्ट रोधवर्ष क्रिमील एत्रालिक सम्मोलक । भिष्ठ रार्रेष्ट प्राक्रि ॥ भिष्ठ ിാणीगा. റജനംനാല ഒരു ഒന്ന നര്ഷ ജമാഗ്ര മായപ്പെന്ന് ഒഷ് പിസിന് എട്ടി ഷംജ്യംയ വ്യാനിഷ ജിറയ നിറവിസ് വാര്ട്ട് സ്വാന്

२८२,२०२८४ १८२१ - १८४१७ पारुषा प्रताय प